हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपना मथुरा

पूर्णिमा को अष्टसखी संग दर्शन देंगी राधारानी

■ राकेश श्रोत्रिय

बरसाना। ब्रह्मांचल पर्वत पर विराजमान राधारानी मंदिर में पूर्णिमा को राधारानी अपनी अष्टसखियों सहित भक्तों को दर्शन देंगी। इसके लिए भक्तों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं पुराने मंदिर के जीर्णोद्धार से सखियों की मूर्ति स्थापना व शीशमहल में करीब 25 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

अभी तक राधारानी अपनी दो सखियां ललिता, विशाखा के साथ ही भक्तों को दर्शन देती थीं। अब राधारानी अपने भक्तों को पूर्णिमा को अपनी सबसे ज्यादा चहेती सखी ललिता, विशाखा, रंग देवी, सुदेवी, तुंगविद्या, इंदुलेखा, चंपक लता, चित्रा सखी के साथ दर्शन देंगी। यह सखियां हाथों में पान बीड़ा, इत्र फुलेल, चमर, बीणा, पुष्पों की माला, कलश, वस्त्र आदि समान लेकर श्रीजी की हाजरी में

25 करोड़ से किया जा रहा पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार

नजर आएंगी। इनकी प्रतिमाओं का निर्माण दक्षिण भारत के सेंगनोर के कारीगरों से स्वर्ण रजत मिश्र कर बनवाया है। इनका निर्माण हनुमान ट्रस्ट चेन्नई द्वारा किया गया है। संस्था 10 दिसम्बर को उन्हें बरसाना लाएगी। संस्था राधारानी के पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार कराकर उसमें भंडारे आदि की व्यवस्था करेगी। इससे मंदिर के अंदर आगे से भंडारों पर प्रतिबंध लग जाएगा।

सेवायत उमाशंकर गोस्वामी ने बताया हनुमान ट्रस्ट संस्था राधारानी के पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार कर मंदिर में स्वर्ण रजत मिश्रित अष्टसखियां विराजमान कराएंगी। इनका दर्शन पूर्णिमा को कराया जाएगा। संस्था द्वारा अष्टसखियों के संग विराजमान करने के लिए शीशमहल भी बनाया जा रहा। उसे आने में अभी समय लगेगा। ट्रस्ट द्वारा राधारानी मंदिर के सजाने में करीब 25 करोड़ रुपये खर्च की संभावना है। अष्ट सखियों के दर्शन केबल विशेष त्योहार पर ही कराए जाएंगे। रोजाना चार सखियों के साथ राधारानी दर्शन देंगी।

बरसाना में राधारानी की सखी तुंग विद्या का स्वर्ण रजत मिश्रित तैयार किया गया।

Barsana and Mathura to celebrate the arrival of Ashtasakhis

On the next Poornima (full moon) day, Sri Radharani will give darshan to devotees along with her ashtasakhis (eight friends) in the Radharani Mandir situated on the Brahmachal mountain. The devotees have started preparations for this utsav. About 25 crore rupees will be spent on the renovation of the old temple, and consecration of the moorthis of ashtasakhis at the Sheeshmahal.

Till now, Sri Radharani has been giving darshan to devotees along with her two friends Lalitha and Vishakha. From Poornima day, Sri Radharani will give darshan to her devotees with her most loved friends Lalita, Vishakha, Rang Devi, Sudevi, Tungvidya, Indulekha, Champak Lata and Chitra Sakhi. These friends will come to Shreeji's presence with paan bida, perfume, chamar, veena, garland of flowers, kalash, vastra in their hands.

These moorthis have been made of gold and silver by artisans from Senganoor in South India. These have been made by Jaya Hanuman Seva Trust, Chennai. The Trust will bring them to Barsana on 10th December. The Trust is also making a Sheeshmahal for their consecration. The darshan of ashtasakhis will be allowed only on special festivals.

*** Translation of the press release done by the temple. Estimate inaccurate.**

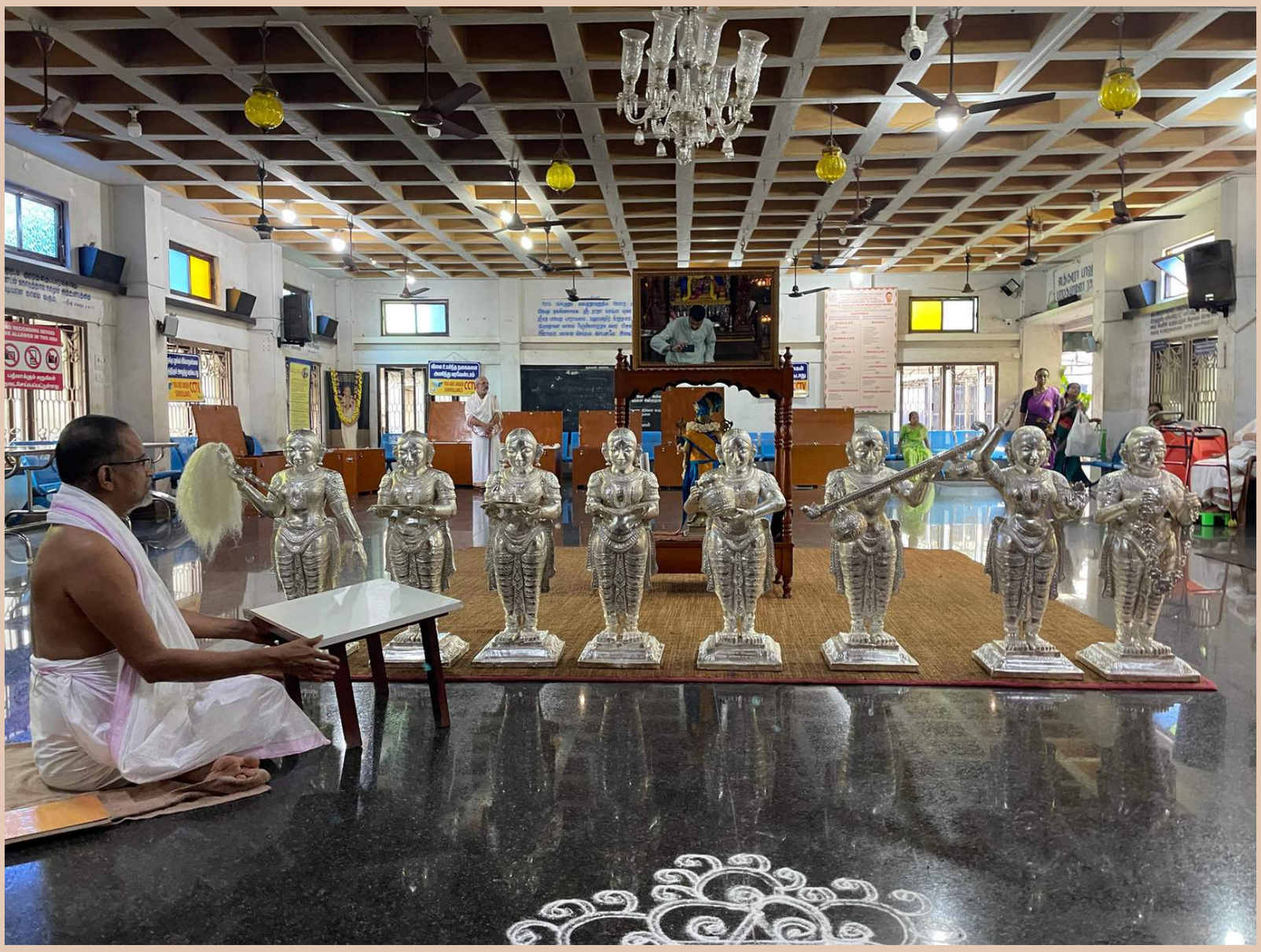

Ashtasakhi Moorthis with Sri Swamiji at Madhurapuri Ashram, getting ready to serve Sri Radharani at Barsana